तकनीकी ज्ञान   सम्पन्न किसान

2025
रजत जयंती वर्ष

अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी

14 से 16 अक्टूबर, 2025

"पौष्टिक अनाज – समृद्ध किसान"

प्रसार निदेशालय

सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ

संरक्षक एवं मार्गदर्शन

डा0 के0के0 सिंह
कुलपति

मेला संयोजक

डा0 पी0के0 सिंह
निदेशक प्रसार

मेला आयोजन समिति			
डा0 सतेन्द्र कुमार प्राध्यापक/संयुक्त निदेशक प्रसार डा0 मुकेश कुमार विभागाध्यक्ष (सस्य)	डा0 पी.के.सिंह प्राध्यापक/संयुक्त निदेशक प्रसार डा0 एस.के.लोधी प्राध्यापक/संयुक्त निदेशक प्रसार	डा0 एस.के.त्रिपाठी प्राध्यापक/संयुक्त निदेशक प्रसार डा0 हरिओम कटियार सह–प्राध्यापक (उद्यान)	डा0 राजीव कुमार स्टोर प्रभारी श्री सतीश कुमार प्रधान सहायक श्री वी0पी0 सिंह दृष्य श्रव्य सहायक
अति विशेष सहयोग			
समस्त अध्यक्ष/प्रभारी अधिकारी कृषि विज्ञान केन्द्र एवं समस्त स्टाफ			

सहयोग		
डा0 रामजी सिंह कुलसचिव श्री पंकज कुमार चतुर्वेदी वित्त नियंत्रक डा0 कमल खिलाड़ी निदेशक शोध डा0 टी0के0 सरकार अधिष्ठाता प्रतिनिधि, पशु चिकित्सा महाविद्यालय डा0 पंकज कुमार ओ.एस.डी., शुगरकेन महाविद्यालय	डा0 रविन्द्र कुमार अधिष्ठाता, जैव प्रौद्योगिकी महाविद्यालय डा0 बिजेन्द्र सिंह अधिष्ठाता, उद्यान महाविद्यालय डा0 विवेक अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय डा0 जयवीर सिंह अधिष्ठाता, तकनीकी महाविद्यालय डा0 विजय सिंह अधिष्ठाता प्रतिनिधि, पशु चिकित्सा महाविद्यालय	डा0 डी0के0 सिंह अधिष्ठाता छात्र कल्याण डा0 जीनीथा इमेनुएल अधिष्ठाता, पी0एच0टी0 डा0 यू0पी0 शाही निदेशक प्रशासन एवं अनुश्रवण डा0 आर0एस0 सेंगर निदेशक प्रशिक्षण एवं सेवायोजन

फल–फूल, शाकभाजी एवं परिरक्षित पदार्थ प्रदर्शनी

संयोजक

डा0 बिजेन्द्र सिंह
अधिष्ठाता
उद्यान महाविद्यालय

पशु प्रदर्शनी

संयोजक

डा0 तरूण कुमार सरकार
अधिष्ठाता प्रतिनिधि
पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय

प्रथम दिवस
14 अक्टूबर,
2025

उद्घाटन समारोह

श्री सूर्य प्रताप शाही
माननीय मंत्री, कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान, उ0प्र0

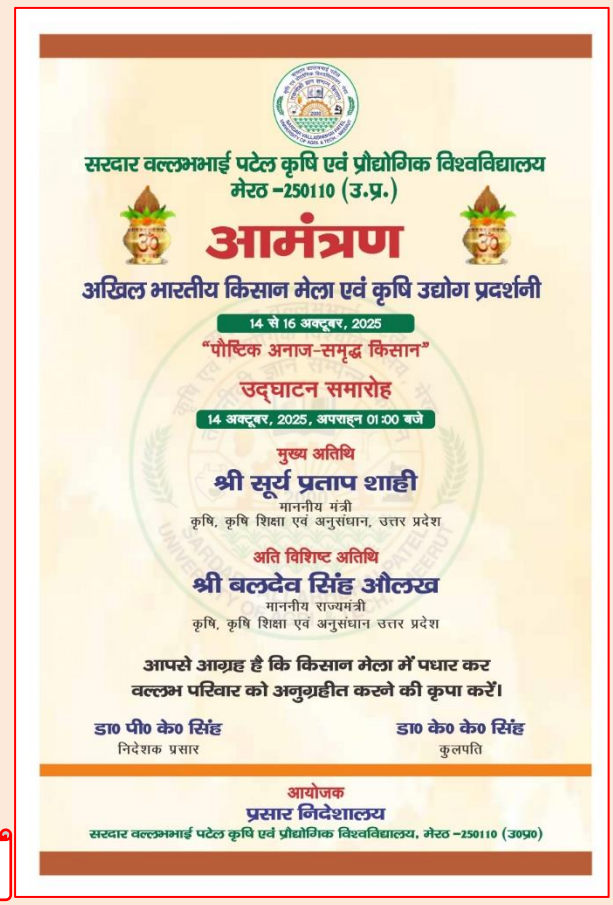

अतिथियों का मेला भ्रमण

मुख्य अतिथि का उद्बोधन

विशिष्ट अतिथियों की सहभागिता

माननीय कुलपति जी का मेला भ्रमण

मनोरंजन कार्यक्रम

द्वितीय दिवस
15 अक्टूबर,
2025

मेला भ्रमण

सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय-मेरठ

आज़ादी का अमृत महोत्सव

पश्चिमी उत्तर प्रदेश कृषि निर्यात सम्वर्धन

15 अक्टूबर, 2025

आयोजक :

बासमती निर्यात विकास प्रतिष्ठान (BEDF)

(एपीड़ा, वाणिज्य मंत्रालय, भारत सरकार)

पशु प्रदर्शनी

पशु प्रदर्शनी पुरस्कार वितरण

कला एवं संस्कृति : लोकगीत एवं रागिनी

फल–फूल, शाकभाजी प्रदर्शनी

तृतीय दिवस
16 अक्टूबर, 2025

मुख्य अतिथि

कैप्टन विकास गुप्ता

अध्यक्ष

उ0प्र0 कृषि अनुसंधान परिषद, लखनऊ

सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
मेरठ -250110 (उ.प्र.)

समापन समारोह आमंत्रण

16 अक्टूबर, 2025, अपराह्न 01:00 बजे

अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी

"पौष्टिक अनाज-समृद्ध किसान"

मुख्य अतिथि

डा0 सोमेन्द्र तोमर

माननीय राज्यमंत्री
ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा, उत्तर प्रदेश

अति विशिष्ट अतिथि

कैप्टन विकास गुप्ता

अध्यक्ष
उ0प्र0 कृषि अनुसंधान परिषद, लखनऊ

अध्यक्षता

डा0 के0 के0 सिंह

कुलपति

विशिष्ट अतिथि

पद्मश्री सेठपाल सिंह
जनपद सहारनपुर

पद्मश्री भारत भूषण त्यागी
जनपद बुलन्दशहर

आपसे आग्रह है कि किसान मेला में पधार कर वल्लभ परिवार को अनुगृहीत करने की कृपा करें।

डा0 पी0 के0 सिंह

निदेशक प्रसार

आयोजक

प्रसार निदेशालय

सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ -250110 (उ0प्र0)

अतिथियों का मेला भ्रमण

अतिथियों की सहभागिता

तकनीकी ज्ञान
सम्पन्न किसान
2025
रजत जयंती

तकनीकी ज्ञान
सम्पन्न किसान

तकनीकी ज्ञान
सम्पन्न किसान

सम्पन्न किसान
2025
रजत जयंती वर्ष

तकनीकी ज्ञान
सम्पन्न किसान
2025
रजत जयंती वर्ष
अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी
"पौष्टिक अनाज - समृद्ध किसान"

तकनीकी ज्ञान
अखिल भारतीय किसान
"पौष्टिक अनाज
प्रसार निदेशालय

पत्रकार बन्धुओं का सम्मान

पुरस्कार वितरण

तकनीकी ज्ञान
सम्पन्न किसान

तकनीकी ज्ञान
सम्पन्न किसान

तकनीकी ज्ञान
सम्पन्न किसान

तकनीकी ज्ञान
सम्पन्न किसान
2025
रजत जयंती वर्ष

मीडिया कवरेज

कृषि पोर्टल पर पंजीकरण कर योजनाओं का लाभ लें किसान : शाही

सरदार वल्लभ भाई पटेल कृषि विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय अखिल भारतीय किसान मेला एवं उद्योग प्रदर्शनी का हुआ आयोजन

संवाद न्यूज एजेंसी

मोदीपुरम (मेरठ)। सरदार वल्लभ भाई पटेल कृषि विश्वविद्यालय में मंगलवार को तीन दिवसीय अखिल भारतीय किसान मेले और पशु प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ करते हुए कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने किसानों को कृषि पोर्टल पर पंजीकरण कराकर योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा विभिन्न योजनाओं को किसान हित में जारी किया गया है। मेले में पशु प्रदर्शनी में दूसरे राज्यों से काफी संख्या में पशु भी लाए गए।

पौष्टिक अनाज समृद्ध किसान की थीम पर आयोजित किसान मेले में इस वर्ष पौष्टिक अनाज को लेकर किसान गोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि यह आयोजन उद्यमियों, वैज्ञानिकों और

किसान मेले में माँजूद कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, बलदेव सिंह औलख, कुलपति डॉ. केके सिंह, निदेशक प्रसार डॉ. पीके सिंह। संवाद

किसानों को एक मंच पर लाने और अपने अनुभव साझा करने का अवसर है। उन्होंने बताया कि पीएम नरेंद्र मोदी ने 11 अक्तूबर 2025 को 24 हजार करोड़ रुपये वाली पीएम धन धान्य कृषि योजना की शुरुआत की है।

इसका मुख्य उद्देश्य हर खेत तक सिंचाई सुविधा पहुंचाना, फसल उत्पादकता को बढ़ावा देना, किसानों को आसान ऋण, भंडारण सुविधाएं प्रदान करना, कृषि पद्धतियों के लिए किसानों को प्रोत्साहित करना है। इसके अलावा दालों की खेती के क्षेत्रफल का विस्तार करना, मूल्य श्रृंखला-खरीद, भंडारण, प्रसंस्करण को मजबूत करना है। शाही ने कहा कि हम भूमि में डीएपी, यूरिया, पेस्टीसाइड्स तथा इंसेक्टिसाइड का प्रयोग कर रहे हैं।

कृषि मेले में आयोजित किसान मेले में ताऊ जलेबी का लगा स्टॉल। संवाद

इससे भूमि की सेहत खराब हो रही है। ऐसे में पोषणयुक्त अनाज उत्पादन पर ध्यान देना होगा। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में इस वर्ष 6 लाख 33 हजार 758 निशुल्क बीज का वितरण किया जाएगा।

■ **उत्तम नस्ल के पशुओं ने आकर्षित किया :** किसान मेले में भी पशु प्रदर्शनी भी लगाई गई। इसमें

पशु प्रदर्शनी में भैंसा राजा उर्फ राजू को लेकर पहुंचे पशुपालक। संवाद

विभिन्न उत्तम नस्लों के देसी सांड, गाय और भैंस, भैंसे पहुंचे। इनकी सेहत और खुराक जानकर प्रदर्शनी देखने पहुंचे लोग दंग रह गए। यहां प्रतियोगिता भी कराई जाएगी। प्रतियोगिता के दौरान प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहने वाले विजेताओं को नकद पुरस्कार दिया जाएगा।

■ **ताऊ जलेबी वाले की रही धूम**

पोषण सुरक्षा पर और काम करने की जरूरत : औलख

बलदेव सिंह औलख ने कहा कि देश कृषि उत्पादन में आत्मनिर्भर हुआ है, मगर पोषण सुरक्षा पर अभी और कार्य करने की आवश्यकता हैं। पोषण सुरक्षा में महिलाओं का सशक्तिकरण होना जरूरी है, यदि महिलाएं शिक्षित, जागरुक और आत्मनिर्भर होंगी, तो वह अपने परिवार को संतुलित आहार, स्वच्छता और पोषण के प्रति अधिक सजग बना सकती हैं। कुलपति डॉ. केके सिंह ने बताया कि वैज्ञानिक किसानों के साथ मिलकर उन्नत कृषि एवं आय बढ़ाने के प्रयास कर रहे हैं। कम खर्च में अधिक उत्पादन और ज्यादा आय पर अधिक ध्यान देना होगा। संवाद

कृषि पद्धतियों के लिए किसानों को प्रोत्साहित कर रही सरकार : सूर्य प्रताप

- कृषि मंत्री ने अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का किया उद्घाटन
- पोषण सुरक्षा पर और ध्यान देने की आवश्यकता : बलदेव सिंह

मेरठ, 14 अक्टूबर (देशबन्धु)। उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही एवं कृषि राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख ने सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में पौष्टिक अनाज-समृद्ध किसान विषय पर आयोजित अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। यह मेला 14 अक्टूबर से 16 अक्टूबर तक जारी रहेगा। बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करने पहुंचे कृषि मंत्री ने कहा कि किसान मेले ने देश के दूरदराज के क्षेत्रों से आए किसानों और उद्यमियों को कृषि वैज्ञानिकों के साथ बातचीत करने का और अपने अनुभवों और विशेषज्ञता को बांटने का एक अवसर प्रदान किया है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 11 अक्टूबर, 2025 को 24000 करोड़ रुपए वाली पीएम धन धान्य कृषि योजना की शुरुआत की है। पीएम धन धान्य कृषि योजना का मुख्य उद्देश्य हर खेत तक सिंचाई सुविधा पहुंचाना, फसल उत्पादकता को बढ़ावा देना और किसानों को आसान ऋण एवं भंडारण सुविधाएं प्रदान करना और कृषि पद्धतियों के लिए किसानों को प्रोत्साहित करना है। कृषि राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख ने कहा कि इस वर्ष मेले का विषय पौष्टिक अनाज - समृद्ध किसान है।

'योजनाओं का लाभ उठाएं किसान'

'पौष्टिक अनाज समृद्ध किसान' थीम पर अखिल भारतीय किसान मेला शुरू

आयोजन

- किसानों से आह्वान किया कि वे भारत सरकार के कृषि पोर्टल पर पंजीकरण कराएं

मंचासीन कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही।

मोदीपुरम, लोकसत्य। उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही एवं कृषि राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख ने मंगलवार को सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय में पौष्टिक अनाज समृद्ध किसान विषय पर आयोजित अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। यह तीन दिवसीय मेला 14 से 16 अक्टूबर तक चलेगा, जिसमें देशभर के किसान, वैज्ञानिक और उद्योगपति हिस्सा ले रहे हैं।

उद्घाटन के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में किसानों को संबोधित करते हुए कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि यह किसान मेला दूरदराज के किसानों और उद्यमियों को वैज्ञानिकों से जुड़ने और अनुभव साझा करने का अनूठा मंच प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में 24 हजार करोड़ रुपये की पीएम धन-धान्य कृषि योजना की शुरुआत की है। जिसका उद्देश्य सिंचाई, भंडारण, ऋण और फसल उत्पादकता में सुधार लाना है। मंत्री ने कहा कि अब समय केवल पेट भरने वाली खेती का नहीं, बल्कि पोषण देने वाली खेती का है। श्री अन्न योजना के तहत पौष्टिक अनाज जैसे बाजरा, ज्वार, रागी, कोदो, कुटकी और सांवा की खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे श्री अन्न के बीज अपनाएं और अपनी भूमि की सेहत सुधारने के लिए रासायनिक खादों पर निर्भरता कम करें।कृषि मंत्री ने कहा कि भूमि और मनुष्य, दोनों का स्वास्थ्य तभी अच्छा रहेगा जब हम पौष्टिक अनाज का उत्पादन बढ़ाएंगे। जैविक और प्राकृतिक खेती ही भविष्य का रास्ता है।

पशु प्रदर्शनी का भी हुआ शुभारंभ

मेले के दौरान पशु प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया गया।प्रदर्शनी में देसी नस्लों के सांड, गाय और भैंसों को आकर्षक ढंग से प्रदर्शित किया गया है। किसानों की रुचि बढ़ाने के लिए पशुपालन विभाग की ओर से प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। इसमें प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले पशुपालकों को नगद पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। पौष्टिक अनाजों पर केंद्रित इस किसान मेले में किसानों की भारी भीड़ उमड़ी। प्रदर्शनी में कृषि उपकरणों, बीज, उर्वरक कंपनियों, और जैविक उत्पादों के स्टॉल विशेष आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। कृषि मंत्री ने किसानों से आह्वान किया कि वे वैज्ञानिकों की सलाह के साथ प्राकृतिक खेती की दिशा में कदम बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि "आज जरूरत है कि हम परंपरा और तकनीक का समन्वय कर कृषि को आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाएं।

खाद्यान्न सुरक्षा के साथ पोषण सुरक्षा पर भी ध्यान देने की जरूरत : शाही

कृषि मंत्री ने कृषि विश्वविद्यालय में किया किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का उद्घाटन

कृषि उद्योग प्रदर्शनी मे स्टाल का निरीक्षण करते कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही • जागरण

जागरण संवाददाता, मोदीपुरम : सरदार वल्लभ भाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में 'पौष्टिक अनाज समृद्ध किसान' विषय पर आयोजित तीन दिवसीय अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का उदघाटन मंगलवार को प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि हमें केवल पेट भरने के लिए अनाज का उत्पादन नहीं करना बल्कि पौष्टिक अनाज उत्पादन की ओर भी ध्यान देना होगा। दलहन व तिलहन की सहफसली खेती करने की भी जरूरत है।

कृषि मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 11 अक्टूबर को 24000 करोड़ रुपये वाली पीएम धन धान्य कृषि योजना की शुरुआत की है। योजना के तहत कम उत्पादकता वाले देश के 100 जिलों का व्यापक विकास किया जाएगा। भारत को दलहन में आत्मनिर्भर बनाने हेतु दलहन आत्मनिर्भरता मिशन की भी शुरुआत की गई। उत्तर प्रदेश में इस वर्ष किसानों को छह हजार 337 कुंतल निश्शुल्क बीज वितरित करने जा रहे हैं। मसूर, उड़द, मूंग अधिक से अधिक लगाई जाए, जिसे उत्तर प्रदेश सरकार एमएसपी पर खरीदेगी। वर्ष 2047 तक देश को आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाना है, इसके लिए सामूहिक प्रयास करने होंगे। कृषि राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख ने कहा कि भारत कृषि उत्पादन में आत्मनिर्भर हुआ है, मगर पोषण सुरक्षा पर अभी और काम की आवश्यकता हैं। तकनीकी प्रचार-प्रसार में किसान मेलों का बहुत महत्व है। कुलपति प्रो. केके सिंह ने कहा कि विज्ञानी किसानों संग श्रीअन्न फसलों के उन्नत बीज, आधुनिक तकनीक, प्रसंस्करण व विपणन की दिशा में काम कर रहे हैं। मेले में सरकारी संस्थानों और निजी कंपनियों के 175 स्टाल लगाए गए।

मेले से किसान और वैज्ञानिक में होता है संवादः शाही

सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय किसान मेले का किया गया शुभारंभ

• जनवाणी संवाददाता, मोदीपुरम

सरदार वल्लभ भाई पटेल कृषि विश्वविद्यालय में मंगलवार को तीन दिवसीय अखिल भारतीय किसान मेले और पशु प्रदर्शनी का आयोजन किया। शुभारंभ करते हुए कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने किसानों को कृषि पोर्टल पर पंजीकरण कराकर योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। कहा प्रदेश सरकार द्वारा भी विभिन्न योजनाओं को किसान हित में जारी किया गया है। मेले में आयोजित पशु प्रदर्शनी में दूसरे राज्यों से एक से बढ़कर एक पशु पहुंचे।

पौष्टिक अनाज समृद्ध किसान की थीम पर आयोजित किसान मेले में इस वर्ष पौष्टिक अनाज को लेकर किसान गोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि किसान मेले ने देश के दूरदराज के क्षेत्रों से आये किसानों और उद्यमियों को कृषि वैज्ञानिकों के साथ बातचीत करने का और अपने अनुभवों और विशेषज्ञता को बांटने का एक अवसर प्रदान किया है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 11 अक्टूबर को 24 हजार करोड़ रुपये वाली पीएम धन धान्य कृषि योजना की शुरुआत की है। पीएम धन धान्य कृषि योजना का मुख्य उद्देश्य हर खेत तक सिंचाई सुविधा पहुंचाना, फसल उत्पादकता को बढ़ावा देना, किसानों को आसान ऋण, भंडारण सुविधाएं

किसान मेले का शुभारंभ करते अतिथिगण।

प्रदान करना, कृषि पद्धतियों के लिए किसानों को प्रोत्साहित करना है। साथ, ही भारत को दलहन में आत्मनिर्भर बनाने के लिए दलहन में आत्मनिर्भरता मिशन की भी शुरूआत की गई, जिसका उद्देश्य दालों की उत्पादकता के स्तर में सुधार करना, दालों की खेती के क्षेत्रफल का विस्तार करना, मूल्य श्रृंखला-खरीद, भंडारण, प्रसंस्करण को मजबूत करना है। बलदेव सिंह औलख ने कहा कि इस वर्ष मेले का विषय पौष्टिक अनाज-समृद्ध किसान है। देश कृषि उत्पादन में आत्मनिर्भर हुआ हैं, परन्तु पोषण सुरक्षा पर अभी कार्य

पशु प्रदर्शनी का भी हुआ उद्घाटन

किसान मेले में पहले दिन पशु प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया गया। पशु प्रदर्शनी के दौरान विभिन्न नस्लों के देसी सांड, गाय और भैंसों की प्रदर्शनी लगाई जा रही है। इसके अलावा पशुओं की प्रतियोगिता भी कराई जाएगी। प्रतियोगिता के दौरान प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहने वाले विजेताओं को नगद पुरस्कार दिया जाएगा। पशु प्रदर्शनी में दो करोड़ रुपये का अमृत फौजी भी पहुंचा। आठ करोड़ का विधायक और गोलू टू छह करोड़ रुपये का भैंसा भी मेले में पहुंचा है।

ताऊ की जलेबी का आनंद लेने के लिए उमड़ी भीड़

मेले में गुहाना के ताऊ जलेबी वाले बलजीत प्रजापति भी आए हुए हैं। ताऊ की जलेबी का आनंद लेने के लिए मेले में किसानों की भीड़ लगी रही। पिछले 11 वर्षों से ताऊ किसान मेले में शामिल हो रहे हैं और अपनी जलेबी का स्वाद किसानों को चखा रहे हैं।

करने की आवश्यकता हैं। तकनीकी प्रचार-प्रसार के लिए किसान मेलों का बहुत महत्व हैं। किसान मेलों में विभिन्न विभागों, कंपनियों, बैंकों द्वारा किसानों के हित में नई-नई जानकारी उपलब्ध कराई जाती हैं, जिसके माध्यम से किसान अपनी उत्पादकता के साथ आय में भी वृद्धि कर सकते हैं। कुलपति डॉ. केके सिंह ने बताया कि वैज्ञानिक लगातार किसानों के साथ मिलकर अन्न फसलों के उन्नत बीज, आधुनिक तकनीक, प्रसंस्करण एवं विपणन की दिशा में निरंतर कार्य कर रहे है। प्रयोगशाला से खेत तक, खेत से बाजार तक और बाजार से स्वास्थ्य तक के लक्ष्य को पूर्ण कर विश्व स्तर पर श्री अन्न के रूप में भारत की पहचान बनाने में भागीदार बने। बताया कि ऐसी कृषि नीति विकसित करनी होगी, जिसमें खर्च कम आए और लाभ अधिक हो, इसके लिए कृषि में विविधता एवं कृषि आधारित व्यवसायों को अधिक महत्व देना होगा। पुनर्वास महानिदेशालय रक्षा मंत्रालय द्वारा नामित सैनिकों को विभिन्न विषयों जैसे पोल्ट्री फार्मिंग, लघु स्तर पर डेयरी फार्मिंग, मशरूम फार्मिंग इत्यादि पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया और छठा प्रशिक्षण प्रगति

कृषि पोर्टल से उठाएं योजनाओं का लाभ: शाही

कृषि मंत्री ने कृषि विश्वविद्यालय में किया अखिल भारतीय किसान मेले का उद्घाटन

मेरठ (एनएफटी रिपोर्टर)। मोदीपुरम के कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित तीन दिवसीय अखिल भारतीय किसान मेले का उद्घाटन कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने किया। उन्होंने किसानों को कृषि पोर्टल पर पंजीकरण कर योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। मेले में पशु प्रदर्शनी और कृषि उद्योग प्रदर्शनी का भी आयोजन हुआ।

सरदार वल्लभ भाई पटेल कृषि विश्वविद्यालय में मंगलवार को तीन दिवसीय अखिल भारतीय किसान मेला और पशु प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। मेले का उद्घाटन कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही और कृषि राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख ने किया।

कृषि मंत्री ने किसानों को प्रेरित करते हुए कहा कि उन्हें कृषि पोर्टल पर पंजीकरण कराकर सरकार की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा विभिन्न किसान हितैषी योजनाएं जारी की गई हैं।

मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि आज किसान पेस्टिसाइड और अन्य जहरीले रसायनों से फसल तो बढ़ा लेते हैं, लेकिन यही रसायन आने वाली नस्लों के लिए हानिकारक हैं। उन्होंने पौष्टिक और स्वस्थ खान-पान पर भी जोर दिया।

कुलपति डॉ. केके सिंह ने विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे शोध और अन्य क्रियाकलापों की जानकारी दी। मेले के आयोजक निदेशक प्रसार डॉ. पीके सिंह ने बताया कि मेले में 100 से अधिक स्टाल लगाए गए हैं, जहां किसानों को नई तकनीक, कृषि यंत्र और आधुनिक कृषि पद्धतियों के बारे में जानकारी दी जा रही है।

‘कृषि कुम्भ’ में प्रथम रहे मुर्रा नस्ल के सांड और दुधारू गाय

इस बार किसान मेले में उत्तर प्रदेश के सर्वाधिक पशुओं का हुआ पंजीकरण

कृषकों को दी नई तकनीक अपनाने की सलाह, अच्छी प्रजातियों के चयन पर दिया जोर

मेरठ (एनएफटी रिपोर्टर)। सरदार वल्लभ भाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय मोदीपुरम में में तीन दिवसीय अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी ‘कृषि कुम्भ’ के दूसरे दिवस किसान मेले में किसानों द्वारा रबी फसलों के बीजों की काफी मांग रही। किसानों ने रबी फसलों के बीजों के अलावा सब्जियों तथा फल-फूलों से सम्बन्धित पौधों के बीजों को काफी मात्रा में खरीदा। कृषि विश्वविद्यालय के स्टाल से गेंहू के बीजों की मांग अधिक रही। सायं 3 बजे तक लगभग रू. 15 लाख तक की बिक्री की जा चुकी है। मेले में विभिन्न जनपदों से भारी संख्या में किसानों ने भाग लिया।

बासमती निर्यात विकास प्रतिष्ठान द्वारा चौपाल चर्चा का आयोजन किया गया। डा. रितेश शर्मा, संयुक्त निदेशक, बासमती निर्यात विकास प्रतिष्ठान ने उत्पादन तकनीक पर विस्तार से चर्चा की। उनके द्वारा किसानों को बासमती चावल के गुणों एवं त्यौहारों में विशेष व्यंजन हेतु इसके महत्व पर प्रकाश डालते हुए अच्छी प्रजातियों के चयन करने पर जोर दिया। निर्यात के लिए गुणवत्ता युक्त बासमती चावल के उत्पादन एवं इसके द्वारा आय में वृद्धि विषय पर प्रकाश डालते हुए कृषकों को नई तकनीक अपनाने की सलाह दी। निदेशक शोध डा. कमल खिलाड़ी ने कार्यक्रम संयोजक के रूप में गोष्ठी का संचालन किया।

पशु प्रदर्शनी का समापन कुलपति डा. के.के. सिंह ने किया एवं विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। पशु प्रदर्शनी में हरियाणा, राजस्थान एवं उत्तर प्रदेश के पशुपालकों ने प्रतिभाग किया। कुल 132 पशुओं का पंजीकरण किया गया। कर्मवीर सिंह तथा विजय खोखर की मुर्रा नस्ल के सांड को उत्कृष्ट पशुओं में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। दुधारू गायों की श्रेणी में सुनील कुमार एवं शोभित चौधरी के पशुओं ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस बार किसान मेले में उत्तर प्रदेश के सर्वाधिक पशुओं का पंजीकरण किया गया। कार्यक्रम का संचालन डा. अमित कुमार ने किया। इस अवसर पर निदेशक प्रसार डा. पी.के. सिंह, अधिष्ठाता प्रतिनिधि डा. टी.के. सरकार, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डा. डी.के. सिंह उपस्थित रहे। फल-फूल, शाकभाजी प्रदर्शनी का समापन कुलसचिव डा. रामजी सिंह ने किया और विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। कृषि विज्ञान केन्द्रों एवं विश्वविद्यालय के स्टालों पर तकनीकी ज्ञान के लिए बड़ी संख्या में किसानों ने वैज्ञानिकों से संवाद किया। विभिन्न कम्पनियों द्वारा किसान ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया तथा विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रम रागिनी का आयोजन भी किया गया, जिसे किसानों द्वारा सराहा गया। निदेशक प्रसार डा. पी.के. सिंह ने बताया कि किसान मेले के दूसरे दिन भारी संख्या में किसानों एवं स्कूली छात्रों ने मेले का भ्रमण किया। मेले में विदेशी कम्पनीयों के प्रतिनिधि जो कि रूस से आये थे, उन्होंने भी मेले का भ्रमण कर जानकारी प्राप्त की तथा भव्य आयोजन की सराहना की।

गुप्ता, परविंदर मौजूद रहे।

कृषि मेले में पहुंचे विदेशी कंपनियों के प्रतिनिधि

कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को दी धान समेत अन्य कृषि उत्पादों की तकनीकी जानकारी

जागरण संवाददाता, मोदीपुरम : सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में चल रहे तीन दिवसीय अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी में दूसरे दिन किसानों ने रबी फसलों के बीजों के अलावा सब्जियों, फल-फूलों के बीज भी खरीदे। रूस से आए विदेशी कंपनी के प्रतिनिधियों ने भी किसान मेले में पहुंचकर खेतीबाड़ी से जुड़ी जानकारी लीं। कृषि मेले का गुरुवार को (आज) समापन होगा।

कृषि विश्वविद्यालय के स्टाल पर गेहूं की विभिन्न प्रजातियों के बीज की मांग अधिक रही। बुधवार दोपहर तक 15 लाख रुपये के बीज की बिक्री हुई। बासमती निर्यात विकास प्रतिष्ठान द्वारा चौपाल चर्चा का आयोजन किया गया। संयुक्त निदेशक बासमती निर्यात विकास प्रतिष्ठान डा. रितेश शर्मा ने उत्पादन तकनीक पर चर्चा की। उन्होंने किसानों को बासमती चावल के गुण, त्योहारों में विशेष व्यंजन के लिए इसके महत्व पर प्रकाश डाला। अच्छी प्रजातियों के चयन पर जोर दिया। निदेशक शोध डा. कमल खिलाड़ी ने गोष्ठी का संचालन किया।

कृषि विवि मे आयोजित कृषि मेले मे पहुंचे विदेशी कंपनी के प्रतिनिधि • जागरण

कर्मवीर और विजय के मुर्रा सांड़ रहे अव्वल

पशु प्रदर्शनी का समापन कुलपति डा. केके सिंह ने किया। पशु प्रदर्शनी में हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश के पशुपालकों ने प्रतिभाग किया। लगभग 132 पशुओं का पंजीकरण किया गया। कुरुक्षेत्र (हरियाणा) के कर्मवीर सिंह, बागपत के विजय खोखर के मुर्रा नस्ल के सांड़ को उत्कृष्ट पशुओं में प्रथम, दुधारू गायों की श्रेणी में हिसार (हरियाणा) के सुनील कुमार की देसी गाय को प्रथम स्थान मिला। इस बार किसान मेले में उत्तर प्रदेश से सर्वाधिक पशुओं का पंजीकरण किया गया।

फल-फूल, शाक भाजी प्रदर्शनी का समापन : फल-फूल, शाक भाजी प्रदर्शनी का समापन कुलसचिव डा. रामजी सिंह ने किया। कृषि विज्ञान केंद्रो व विश्वविद्यालय के स्टालों पर तकनीकी ज्ञान के लिए किसानों ने वैज्ञानिकों से संवाद किया। रागिनी का आयोजन किया गया। निदेशक प्रसार डा. पीके सिंह ने बताया कि किसानों व स्कूली छात्रों ने किसान मेला का भ्रमण किया। कार्यक्रम का संचालन डा. अमित कुमार ने किया। निदेशक प्रसार डा. पीके सिंह, डा. टीके सरकार, डा. डीके सिंह आदि मौजूद रहे।

मेले में उमड़े किसान, बिके 15 लाख के बीज

कृषि विवि मेले के दूसरे दिन किसानों का किया सम्मान, विशेषज्ञों ने दी तकनीकी जानकारी

संवाद न्यूज एजेंसी

मोदीपुरम। सरदार वल्लभ भाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय अखिल भारतीय किसान मेले एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी के दूसरे दिन रबी फसलों के बीजों की काफी मांग रही। किसानों ने रबी फसलों के बीजों के अलावा सब्जियों, फल-फूलों से संबंधित पौधों के बीज खरीदे। 15 लाख रुपये के बीज की बिक्री हो चुकी थी। सबसे अधिक मांग गेहूं के बीज की रही। किसानों को सम्मानित किया गया।

मेले में बासमती निर्यात विकास प्रतिष्ठान द्वारा चौपाल चर्चा का आयोजन किया गया। संयुक्त निदेशक बासमती निर्यात विकास प्रतिष्ठान डॉ. रितेश शर्मा ने किसानों को बासमती चावल के गुणों पर प्रकाश डाला। निदेशक शोध डॉ. कमल खिलाड़ी ने गोष्ठी का संचालन किया। पशु प्रदर्शनी का समापन कुलपति डॉ. केके सिंह ने किया। पशु प्रदर्शनी में हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश के पशुपालकों ने प्रतिभाग किया। 132 पशुओं का पंजीकरण किया गया। कर्मवीर सिंह, विजय खोखर के मुर्रा नस्ल के सांड़ को उत्कृष्ट पशुओं में प्रथम, दुधारू गायों की श्रेणी में सुनील कुमार, शोभित चौधरी के पशु प्रथम रहे।

कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित किसान मेले में महिला किसान को सम्मानित करते अतिथि। संवाद

पशु प्रदर्शनी में जोरावर और बलवान की रही धमक

मोदीपुरम। तीन दिवसीय किसान मेले में पशु प्रदर्शनी के दूसरे दिन सांड़ जोरावर और भैंसे बलवान का जोर रहा। दोनों के सीमन से पशु पालक लाखों में कमाते है।जोरावर की उम्र चार साल है और वजन लगभग 16 क्विंटल है। जोरावर के सीमन से हर माह लगभग चार लाख की कमाई होती है। हरियाणा के कुरुक्षेत्र स्थित सुनरिया गांव निवासी पशुपालक नसीब ने बताया कि जोरावर शंकर नस्ल के वर्ल्ड वाइड सीमन से तैयार गाय का बछड़ा है। यह होल्स्टीन फ्रीजियन शंकर नस्ल का सांड है। बताया कि कि जोरावर की मां का भी रिकॉर्ड है और वह प्रतिदिन 67 लीटर दूध देती है। प्रतियोगिता में जोरावर सांड़ की श्रेणी में चैंपियन घोषित किया गया। संवाद

किसान मेला में पशु प्रदर्शनी का आयोजन

पंकज शर्मा, खास न्यूज़, मेरठ

सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मेरठ में 14 से 16 अक्टूबर, तक आयोजित अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी के अंतर्गत अखिल भारतीय पशु प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता का भव्य आयोजन पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय के तत्वावधान में किया गया। यह प्रतियोगिता 14 एवं 15 अक्टूबर, 2025को दो चरणों में संपन्न हुई। इस प्रदर्शनी में देश के विभिन्न राज्यों से कुल 119 पशुओं का पंजीकरण हुआ, जिनमें 73 पशु राज्य स्तरीय एवं 46 पशु अखिल भारतीय स्तर की प्रतियोगिता में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम में देशी व संकर नस्लों की गायों, सांडों, भैंसों की विभिन्न श्रेणियों में प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। प्रतियोगिता के प्रथम दिन सौंदर्य एवं उपयोगिता आधारित नौ श्रेणियों में देशी एवं संकर नस्लों के सांड, गाय, सूखी गाय एवं दूध देने वाली गायों का मूल्यांकन हुआ, जबकि द्वितीय दिन अन्य श्रेणियों की प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। प्रदर्शनी में राजा सांड (संजीव कुमार, बागपत), सरपंच गोपाल सांड (मुजफ्फरनगर), बसंती गाय (बागपत), सुंदरी साहीवाल गाय एवं वैदिका गाय (हरियाणा) दर्शकों के आकर्षण का केंद्र रहीं।

विभिन्न वर्गों में रहे यह विजेता

दो बैलों की जोड़ी श्रेणी में दीपक कुमार (भूपखा, उत्तर प्रदेश) प्रथम स्थान पर रहे। देशी सांड (2–4 दांत) में दीपक कुमार ने ही प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। संकर सांड (4 दांत से ऊपर) वर्ग में हरियाणा के करमवीर सिंह प्रथम रहे। देशी गाय (2 दांत बिन ब्याही बछड़ी) में प्रियंशु राठी (साहीवाल नस्ल, मुजफ्फरनगर) प्रथम रहे। हरियाणा सूखी (सूखी गाय) श्रेणी में अंजीत, करमवीर और संजीत (हरियाणा) को क्रमशः प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त हुए। देशी गाय (सूखी) श्रेणी में आलोक मुखिया (मुजफ्फरनगर) ने साहीवाल नस्ल में प्रथम, गिर नस्ल में द्वितीय और हरियाणा नस्ल में तृतीय स्थान प्राप्त किया। दूध देने वाली देशी गाय में सुनील कुमार (हिसार) प्रथम और रिंकू द्वितीय स्थान पर रहे। संकर दूध देने वाली गाय में हरिओम (मवाना, मेरठ) प्रथम स्थान पर रहे भैंस वर्ग (मुर्रा एवं अन्य नस्लें): सूखी मुर्रा भैंस श्रेणी में जितेन्द्र कुमार (पैहरू, मेरठ) ने प्रथम, कपिल कुमार (औरंगनगर, सरधना, मेरठ) ने द्वितीय और हर्षित (सफीदों, मेरठ) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। नौ टीथ मुर्रा भैंस वर्ग में साहिल कश्यप प्रथम एवं वीरेन्द्र द्वितीय स्थान पर रहे। नौ टीथ भैंस श्रेणी में राहुल देवा (मुर्रा, मुजफ्फरनगर) प्रथम, संगीता कुमार (नीली रवि, मेरठ) द्वितीय और विजय खोकखर (मुर्रा, बागपत) तृतीय स्थान पर रहे। मुर्रा सांड (2–4 दांत) वर्ग में नीरज (रोहतक, हरियाणा) प्रथम, यदविंदर सिंह (करनाल, हरियाणा) संयुक्त रूप से प्रथम, तथा प्रवीन कुमार (भिवानी) द्वितीय स्थान पर रहे। मुर्रा दूध देने वाली भैंस श्रेणी में जितेन्द्र (हरियाणा) प्रथम एवं वीरेन्द्र द्वितीय स्थान पर रहे। दूध देने वाली मुर्रा भैंस (अन्य नस्लें) वर्ग में प्रतीक (शामली, उत्तर प्रदेश) प्रथम, सत्यकरण (मवाना, मेरठ) द्वितीय एवं अजय कुमार (शामली) तृतीय स्थान पर रहे। मुर्रा सांड (4 दांत से ऊपर) वर्ग में करमवीर सिंह (कुरुक्षेत्र) प्रथम, बिजेन्द्र (पानीपत) द्वितीय एवं अरुण (हिसार) तृतीय स्थान पर रहे, जबकि विजय खोकखर (बागपत) और संजीव कुमार (बागपत) ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

जलवायु परिवर्तन में वैज्ञानिकों की अहम भूमिका- विकास गुप्ता

By News Prahari - Oct 16, 2025

जलवायु परिवर्तन में वैज्ञानिकों की अहम भूमिका- विकास गुप्ता

कृषि विवि में तीन दिवसीय अखिल भारतीय किसान मेला समाप्त

NEWS प्रहरी Prakhar
www.newsprahari.com

मेरठ। सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय में आयोजित तीन दिवसीय अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी पौष्टिक अनाज : समृद्ध किसान का समापन शुक्रवार को उत्साहपूर्वक हुआ। कुलपति प्रो. के.के. सिंह की अध्यक्षता में हुए समापन समारोह में मुख्य अतिथि कैप्टन विकास गुप्ता, अध्यक्ष, उपकार लखनऊ तथा विशिष्ट अतिथि पद्मश्री सेठपाल सिंह और पद्मश्री भारत भूषण त्यागी ने किसानों का उत्साहवर्धन किया।

-- विश्वविद्यालय द्वारा लगातार चौथे वर्ष बिना किसी सरकारी या वित्तीय सहयोग के इस मेले का सफल आयोजन किया गया। कहा कि मेले में लगे 170 से अधिक स्टालों के माध्यम से किसानों को कृषि की नवीन तकनीकों की जानकारी दी गई। उन महिलाओं ने बड़ी संख्या में भाग लेकर आधुनिक खेती के प्रति अपनी जागरूकता दिखाई।

OnePlus lights up fes season with another Special of exciting Diwali off across smartphones, tablets and TWS
कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी
इजाज़ लॉस दौरा
BJP नेता के अवैध पटाखों

-- मुख्य अतिथि कैप्टन विकास गुप्ता ने कहा कि बदलते जलवायु परिवेश से कृषि उत्पादन प्रभावित हो रहा है। लेकिन वैज्ञानिक किसानों को सक्षम बना रहे हैं ताकि वे विपरीत परिस्थितियों में भी बेहतर उत्पादन ले सकें। विशिष्ट अतिथि पद्मश्री सेठपाल सिंह की आवश्यकता बताया, वहीं पद्मश्री भारत भूषण त्यागी ने कहा कि किसानों को बाजार से जोड़ना ही आय वृद्धि का सबसे प्रभावी

-- मुख्य अतिथि कैप्टन विकास गुप्ता ने कहा कि बदलते जलवायु परिवेश से कृषि उत्पादन प्रभावित हो रहा है। लेकिन वैज्ञानिक किसानों को सक्षम बना रहे हैं ताकि वे विपरीत परिस्थितियों में भी बेहतर उत्पादन ले सकें। विशिष्ट अतिथि पद्मश्री सेठपाल सिंह की आवश्यकता बताया, वहीं पद्मश्री भारत भूषण त्यागी ने कहा कि किसानों को बाजार से जोड़ना ही आय वृद्धि का सबसे प्रभावी

-- निदेशक प्रसार डॉ. पी.के. सिंह ने बताया कि मेले में विश्वविद्यालय और विभिन्न बीज कंपनियों द्वारा लगभग 40 लाख रु जिसमें से 20 लाख रुपये की बिक्री विश्वविद्यालय द्वारा की गई। गेहूं, सरसों और दलहनी फसलों के बीज सबसे अधिक बिके किसानों एवं कॉलेजों के छात्र छात्राओं ने मेले में प्रतिभाग किया।

स्पोर्ट्स स्टार इलेव के बीच होगा फाइ

पुरस्कार वितरण में किसानों का उत्साह

-- समापन समारोह में मैसर्स शिवांगी इंटरनेशनल, मैनकाइंड एग्रीटेक प्रा.लि. एवं किस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन को ओवरऑल सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार प्रदान किया गया।

बैंक समूह में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया को प्रथम पुरस्कार मिला, जबकि विश्वविद्यालय के तकनीकी महाविद्यालय को भी प्रथम स्थ

कृषि विज्ञान केंद्र श्रेणी में हापुड़ एवं अमरोहा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि गाजियाबाद, गौतमबुद्ध नगर और सम्भल द्विती

आयोजन में रहा विश्वविद्यालय परिवार का विशेष योगदान

-- समारोह में विश्वविद्यालय के कुलसचिव, वित्त नियंत्रक, सभी अधिष्ठाता, निदेशकगण, डॉ. सतेन्द्र कुमार, डॉ. मुकेश कुमार, डॉ. एस.के. लोधी, डॉ. एस.के. त्रिपाठी, डॉ. हरिओम कटियार, वी.पी. सिंह एवं प्रसार निदेशालय के कर्मचारियों का विशेष योगदान रहा।

WEATHER NOW
Meerut +29°
Sat Sun Mon Tue
+32° +32° +32° +32
SEARCH NEWS

पौष्टिक अनाज से समृद्ध किसान : कुलपति

- सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय अखिल भारतीय किसान मेला संपन्न

मोदीपुरम, लोकसत्य। सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय में आयोजित तीन दिवसीय अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का समापन शुक्रवार को उत्साहपूर्वक हुआ।

कुलपति प्रो. के.के. सिंह की अध्यक्षता में हुए समापन समारोह में मुख्य अतिथि कैप्टन विकास गुप्ता, अध्यक्ष, उपकार लखनऊ तथा विशिष्ट अतिथि पद्मश्री सेठपाल सिंह और पद्मश्री भारत भूषण त्यागी ने किसानों का उत्साहवर्धन किया।

विश्वविद्यालय द्वारा लगातार चौथे वर्ष बिना किसी सरकारी या वित्तीय सहयोग के इस मेले का सफल आयोजन किया गया।

समापन पर सम्मानित करते मुख्य अतिथि।

कुलपति डॉ. के.के. सिंह ने कहा कि मेले में लगे 170 से अधिक स्टालों के माध्यम से किसानों को कृषि की नवीन तकनीकों की जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि किसानों एवं महिलाओं ने बड़ी संख्या में भाग लेकर आधुनिक खेती के प्रति अपनी जागरूकता दिखाई।

मुख्य अतिथि कैप्टन विकास गुप्ता ने कहा कि बदलते जलवायु परिवेश से कृषि उत्पादन प्रभावित हो रहा है। लेकिन वैज्ञानिक नई तकनीकें विकसित कर किसानों को सक्षम बना रहे हैं ताकि वे विपरीत परिस्थितियों में भी बेहतर उत्पादन ले सकें। विशिष्ट अतिथि पद्मश्री सेठपाल सिंह ने प्राकृतिक खेती को समय की आवश्यकता बताया, वहीं पद्मश्री भारत भूषण त्यागी ने कहा कि किसानों को बाजार से जोड़ना ही आय वृद्धि का सबसे प्रभावी माध्यम है।

40 लाख के बीजों की हुई बिक्री

निदेशक प्रसार डॉ. पी.के. सिंह ने बताया कि मेले में विश्वविद्यालय और विभिन्न बीज कंपनियों द्वारा लगभग 40 लाख रुपये के बीजों की बिक्री हुई। जिसमें से 20 लाख रुपये की बिक्री विश्वविद्यालय द्वारा की गई। करीब 26 से 28 हजार किसानों एवं कॉलेजों के छात्र-छात्राओं ने मेले में प्रतिभाग किया।

पुरस्कार वितरण में किसानों का उत्साह

समापन समारोह में मैसर्स शिवांगी इंटरनेशनल, मैनकाइंड एग्रीटेक प्रा.लि. एवं किस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन को ओवरऑल सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार प्रदान किया गया।

बुलन्
पत्रांक :-- 7559 / 96
महामहिम राज्यपाल, उत्त
निम्नलिखित कार्य की नि
लोक निर्माण विभाग में र
तक प्रचलित स्टेण्डड बि
06.11.2025 को दोपहर
होता है तो उक्त निविदा अ

दैनिक भास्कर
देश का विश्वसनीय अखबार

अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का हुआ समापन

भास्कर ब्यूरो

मोदीपुरम। सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में चल रहे तीन दिवसीय अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का कुलपति डॉ. के-के सिंह की अध्यक्षता में समापन किया गया।

मेले की मुख्य विशेषता 'पौष्टिक अनाज - समृद्ध किसान' थीम रही। मेले का समापन मुख्य अतिथि कैप्टन विकास गुप्ता (अध्यक्ष, उपकार, लखनऊ) तथा विशिष्ट अतिथि पद्मश्री सेठपाल सिंह एवं पद्मश्री भारत भूषण त्यागी द्वारा किया गया। कुलपति डॉ. केके सिंह ने मुख्य अतिथि और प्रसार निदेशक डॉ. पीके सिंह ने विशिष्ट अतिथियों का पुष्प गुच्छ व प्रतीक चिन्ह देकर स्वागत किया। मेले में 170 से अधिक स्टॉल लगाए गए, लगभग

26 से 28 हजार किसानों एवं कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। कुल 40 लाख के बीजों की बिक्री हुई, जिसमें से 20 लाख की बिक्री विश्वविद्यालय द्वारा की गई। लगातार चौथे वर्ष किसान मेले के आयोजन के लिए विश्वविद्यालय अथवा उत्तर प्रदेश सरकार से कोई वित्तीय सहयोग नहीं लिया गया। कुलपति ने अपने संबोधन में कहा कि स्टॉलों के माध्यम से किसानों ने तकनीकी ज्ञान प्राप्त किया। पद्मश्री सेठपाल सिंह ने प्राकृतिक खेती को आज की आवश्यकता बताया। पद्मश्री भारत भूषण त्यागी ने किसानों को बाजार से जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया, जिससे उनकी आय में वृद्धि हो सके।

40 लाख से अधिक के बीज की हुई बिक्री

प्रसार निदेशक डॉ. पीके सिंह ने बताया कि मेले में 40 लाख से अधिक के बीज की बिक्री हुई, जिसमें प्रमुखता से गेहूँ, सरसों तथा दलहन के बीज शामिल थे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव, वित्त नियंत्रक, समस्त अधिष्ठातागण, निदेशकगण एवं प्रसार निदेशालय के अधिकारियों और स्टाफ का विशेष सहयोग रहा।

किसान मेले में पहुंचे 28 हजार किसान, 40 लाख के बिके बीज

जागरण संवाददाता, मोदीपुरम : सरदार वल्लभ भाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में पौष्टिक अनाज समृद्ध किसान विषय पर आयोजित तीन दिवसीय अखिल भारतीय किसान एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का गुरुवार शाम समापन हो गया। तीन दिन के भीतर मेले में 19 जिलों से करीब 28 हजार किसान और विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। इस दौरान विभिन्न प्रजातियों के 40 लाख रुपये के बीज बिक्री हुए, इनमें 20 लाख रुपये कीमत के बीज की बिक्री कृषि विश्वविद्यालय द्वारा की गई।

कृषि विश्वविद्यालय के निदेशक प्रसार डा. पीके सिंह ने बताया कि 14 अक्टूबर से 16 अक्टूबर तक कृषि विश्वविद्यालय के स्टेडियम में किसान मेले का आयोजन किया गया। जिसमें

किसान मेले के समापन पर मुख्य अतिथि का स्वागत करते कुलपति प्रो. केके सिंह ● जागरण

अभी तक के रिकार्ड में सबसे अधिक 170 स्टाल लगाए गए, जबकि पिछले वर्ष 150 स्टाल लगे थे। लगातार चौथे वर्ष किसान मेले के आयोजन को विश्वविद्यालय अथवा प्रदेश सरकार से कोई फंड नहीं लिया गया है। इस बार मेले से 35 लाख 50 हजार रुपये विश्वविद्यालय प्रशासन को मिले, वहीं मेले में खर्चा करीब 18 लाख रुपये का हुआ। ऐसे में बाकी रकम सरकारी खाते में जमा हो गई। 40 लाख से अधिक का बीज बिक्री हुआ, जिसमें गेहूं, सरसों व दलहन के बीज थे।

मेले के समापन समारोह की अध्यक्षता कुलपति प्रो. केके सिंह ने की। मुख्य अतिथि कैप्टन विकास गुप्ता, अध्यक्ष उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद, विशिष्ट अतिथि पद्मश्री सेठपाल सिंह और पद्मश्री भारत भूषण त्यागी रहे। मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथियों को कुलपति व निदेशक प्रसार डा. पीके सिंह ने पुष्प गुच्छ व प्रतीक चिन्ह देकर स्वागत किया।

मुख्य अतिथि ने कहा कि लगातार परिवर्तित हो रही जलवायु से कृषि उत्पादन कम हो रहा हैं। जिसके लिए विज्ञानी जलवायु परिवर्तन में नई-नई तकनीक का विकास कर किसानों को बता रहे हैं। परिवर्तन की परिस्थितियों में भी कृषक अपनी फसल से अच्छा उत्पादन ले सकते हैं। कुलसचिव, वित्त नियंत्रक, अधिष्ठाता, प्रो. आरएस सेंगर, डा. सतेंद्र कुमार, डा. मुकेश कुमार, डा. पीके सिंह, रितुल सिंह आदि मौजूद रहे।

सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ

Design n Print @ # 09837229878, 09412781858